मैं तेरे दर आया हूं बाबोसा

तर्ज - तेनु इतना में प्यार करा

चुरू धाम जो में आ गया
बाबोसा में तेरा हो गया
तेरी भक्ति का छाया है शुरुर
जो ना सोचा था वो हो गया,
मैं तेरे दर आया हूं बाबोसा ,
ये झूठी दुनिया छोड़के
मैं तेरे चरणों मे पड़ा हूं ,
ये सारे बंधन तोड़के,

तू जो न मेरे पास था , सुनी थी मेरी जिंदगी,
कर दे अब ऐसी कृपा , महसूस न हो कमी,
हरपल साथ ही रहना है , रिस्ता तुमसे जोड़के,
मैं तेरे चरणों मे पड़ा हूं , ये सारे बंधन तोड़के
मैं तेरे दर आया हूं बाबोसा ....

"दिलबर " की है ये कामना , ये दर तेरा न छूटे
रूठे अगर ये जँहा , पर तु कभी ना रूठे ।
के दिल मे हमने बसाया है , प्रीत की चादर ओढ़के
मैं तेरे चरणों मे पड़ा हूं , ये सारे बंधन तोड़के

✍ रचनाकार ✍
दिलीप सिंह सिसोदिया
❤ दिलबर ❤
नागदा जक्शन म.प्र .

Source: https://www.bharattemples.com/main-tere-dar-aaya-hu-babosa/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw